30 दिसंबर 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

मिलते-जुलते नाम की कंपनियों के खेल में उलझा शिक्षा विभाग, सफाई कार्य में बड़े वित्तीय घोटाले की आशंका 3

एक नजर

गुजरात से ओमान रवाना हुआ बिना इंजन वाला पोत

नई दिल्ली। बिना इंजन वाला पोत आइएनएसवी कौंडिन्य ऐतिहासिक समुद्री मार्गों को पुनः स्थापित करने के लिए गुजरात के पोरबंदर से ओमान तट की ओर रवाना हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को चालक दल को शुभकामनाएं भेजीं। यह पोत प्राचीन स्टिच-शिप तकनीक से निर्मित है।वर्तमान जहाजों के विपरीत, आइएनएसवी कौडिन्य के लकड़ी के तख्तों को नारियल के रेशे की रस्सी से एक साथ सिला गया है और प्राकृतिक रेजिन से सील किया गया है, जो भारत के तटों और हिंद महासागर में कभी प्रचलित जहाज निर्माण की परंपरा को दशार्ता है। यह हवा की मदद से चलेगा। इस जहाज का नाम नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने प्राचीन काल में भारत से दक्षिण पूर्व एशिया तक की यात्रा की थी। पोरबंदर में सोमवार को पश्चिमी नौसेना कमान के ध्वज अधिकारी कमान-इन-चीफ, वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने भारत में ओमान के राजदूत ईसा सालेह अल शिबानी की उपस्थिति में पोत को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जयपुर में जेसीबी फैक्टरी में भीषण आग, कई ड्रमों में ब्लास्ट

नई दिल्ली। राजस्थान के जयपुर से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां, जेसीबी फैक्ट्री में भीषण आग लग गई है। एहतियात के तौर पर आस-पास के इलाके को खाली करा लिया गया है और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी है। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार शाम को भांकरोटा इलाके में एक जेसीबी सर्विस सेंटर में आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए कई दमकल कर्मियों को बुलाया गया था और इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि सर्विस सेंटर में तेल से भरे कई ड्रम रखे हुए थे, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई। पुलिस ने एहतियात के तौर पर केंद्र के पास के इलाके को खाली करा लिया गया है और आग पर काबू पाने के प्रयास किए जा रहे हैं। जयपुर के भांकरोटा इलाके में सोमवार शाम एक जेसीबी सर्विस सेंटर में भीषण आग लग गई।

नए साल पर दिल्ली-एनसीआर में बारिश, यूपी-बिहार में कोहरे का कहर

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को अभी कोहरा, प्रदूषण और ठंड की तिहरा हमला झेलना पड़ रहा है। लगातार खराब होते मौसम ने सड़क से लेकर ट्रेनों और हवाई जहाजों की रफ्तार थाम दी है। लेकिन मौसम विभाग ने एक खुशखबरी का संकेत भी दिया है और दिल्ली, नोएडा से गाजियाबाद तक नए साल का स्वागत बारिश से हो सकता है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान की मानें तो 1 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सामान्यतया बादल छाये रहेंगे। साथ ही बारिश या बूंदाबांदी के आसार हैं। 1 जनवरी को ज्यादा ठंड भी नहीं होगी। इस दिन अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

कोहरे की चेतावनी

हालांकि 2-3 जनवरी को मौसम फिर खराब हो सकता है और कोहरे और ठंड का दौर वापस लौट सकता है। उस दौरान न्यूनतम तापमान 8 से 9 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि 30 दिसंबर से पश्चिमी हिमालयी इलाके में एक पश्चिमी विक्षोभ के हालात बन रहे हैं। इससे 31 दिसंबर और 1 जनवरी को मैदानी इलाकों में असर देखने को मिल सकता है। सिक्किम, बंगाल और ओडिशा में भी 3 जनवरी तक तक कोहरा छाया रहने का अनुमान है। वेस्ट यूपी, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 31 दिसंबर तक अभी सुबह और रात के वक्त घना से बहुत कोहरा होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 31 दिसंबर तक कोल्ड डे से लेकर सीवियर कोल्ड का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में भी 31 दिसंबर और 1 जनवरी को शीत दिवस की चेतावनी है। उत्तराखंड में 29 और 30 को शीत दिवस और बिहार और झारखंड में भी 30 दिसंबर को कड़ाके की गलन वाली सर्दी पड़ने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है।

उत्तर भारत के 5 राज्यों में बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग के मुताबिक 31 दिसंबर की शाम से उत्तर भारत के 5 राज्यों में मौसम बिगड़ने वाला है। दिल्ली, हिमाचल, उत्तराखंड, कश्मीर और हरियाणा के लिए बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इन राज्यों में बारिश के बाद तापमान में भी 3 से 4 डिग्री की कमी आ सकती है, जिससे ठंड बढ़ जाएगी। लोगों को इस दौरान सावधान रहने की जरूरत है यूपी में कल यानी 30 दिसंबर से 20 से अधिक शहरों में घना कोहरा लोगों की परेशानी बढ़ाएगा।

एक मौका और दें हर घुसपैठिया होगा बाहर : अमित शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को असम की जनता को संबोधित करते हुए आह्वान किया। उन्होंने राज्य के लोगों से अपील की कि वे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग सोच-समझकर करें। शाह ने चुनावों को लेकर कहा कि जनता को एक ऐसी सरकार चुननी चाहिए जो राज्य में घुसपैठ की समस्या के खिलाफ सख्ती से काम करे और असम के विकास को प्राथमिकता दे। गृह मंत्री ने दावा किया कि असम ने पिछले एक दशक में अभूतपूर्व प्रगति देखी है। उन्होंने कहा 'राज्य में पिछले दस वर्षों से चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार और केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के ग्यारह वर्षों के कार्यकाल में असम ने अभूतपूर्व प्रगति की है।यहां 5,000 सीटों वाले सभागार का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा, 'अगले साल मार्च-अप्रैल में होने वाले चुनावों में ऐसी सरकार चुनें जो घुसपैठ न होने दे और असम की उन्नति के लिए कार्य करे।' उन्होंने आगे कहा, 'पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकारों के नेतृत्व में असम में बहुत विकास हुआ है। भाजपा को पांच वर्ष का आशीर्वाद और दें, हर घुसपैठिए की पहचान करके उसे वापस भेज दिया जाएगा।

सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी थी चुनौती

उन्नाव रेप केस : कुलदीप सेंगर की जमानत पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कुलदीप सेंगर से एक हफ्ते में जमानत पर जवाब भी मांगा

एजेंसी। नई दिल्ली

उन्नाव दुष्कर्म मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने कुलदीप सेंगर की जमानत को हरी झंडी दिखा दी थी, जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला पलट दिया है। कुलदीप सेंगर को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कुलदीप सेंगर को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। इसके लिए पूर्व विधायक को 1 हफ्ते का समय दिया गया है। कुलदीप सेंगर को अगले 7 दिन में जवाब दाखिल करना होगा। 2017 के उन्नाव रेप केस में दोषी पाए जाने के बाद पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। मगर, दिल्ली हाईकोर्ट ने कुलदीप सेंगर की सजा खारिज करते हुए जमानत को मंजूरी दे दी थी, जिसके बाद उन्नाव रेप केस की पीड़िता ने दिल्ली में प्रदर्शन शुरू कर दिया था। सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिसपर आज सुनवाई की गई। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटते हुए जमानत याचिका पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने कुलदीप सेंगर से एक हफ्ते में जमानत पर जवाब भी मांगा है।

किरण बेदी बोलीं-जनता का आक्रोश

उन्नाव रेप केस में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दोषी पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत पर रोक लगाए जाने के फैसले पर पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि हाई कोर्ट के जजमेंट में बहुत सारी गड़बड़ी थी। सबसे बड़ी गलती ये थी कि आप एक इलेक्टेड एमएलए को पब्लिक सर्वेंट नहीं मान रहे हैं। ये कहां का तर्क है. पूर्व आईपीएस ने ये भी पीड़िता के साथ न सिर्फ शोषण हुआ, बल्कि उसे लंबे वक्त तक अन्याय का सामना करना पड़ा, लेकिन वो डटी रही। उन्होंने इस लड़ाई में पीड़िता का साथ देने वाले वॉलंटियर्स और मीडिया की भी सराहना की. किरण बेदी ने आगे कहा कि एक टेक्निकल कारण ढूंढ़कर आपने उसे छोड़ दिया, मतलब उसके उम्रकैद की सजा पर रोक लगा दी। साथ में ये भी ढूंढ़ने की कोशिश हुई कि वो 15 साल कुछ महीने की थी तो बालिग नहीं थी। ये आप भूल गए कि क्राइम क्या हुआ। रेप हुआ और वो भी एक ऐसी लड़की के साथ जो 16 साल से कम उम्र की थी। ये तो स्वीकार कर रहे हैं कि 16 साल से कम उम्र की थी.। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि टेक्निकल तौर पर कि कानून में वो विधायक पब्लिक सर्वेंट नहीं है। जो व्यक्ति पब्लिक फंड ले रहा है, चुनाव लड़ रहा है। संविधान पर हाथ रखकर कसम खा रहे हो कि आप पब्लिक सेवा में जाओगे और फिर आप रेप करते हो. फिर कहा जाता है कि आप पब्लिक सर्वेंट नहीं हो. कानून तो ये कह रहा है कि एक बैंक कर्मचारी भी पब्लिक सर्वेंट है. हाई कोर्ट के उस बेंच ने ये देखा नहीं कि क्राइम क्या हुआ है।

भिवाड़ी में 32 करोड़ रुपये के नशीले केमिकल के साथ 3 इंजीनियर गिरफ्तार

एजेंसी। अलवर

राजस्थान के औद्योगिक हब भिवाड़ी में सुरक्षा एजेंसियों ने नशीली दवाओं के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। रविवार को गुजरात एटीएस, राजस्थान एसओजी और भिवाड़ी पुलिस की संयुक्त टीम ने कहरानी औद्योगिक क्षेत्र में गुप्त अभियान चलाकर 'एपीएल फार्मकिम' नामक फैक्ट्री पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान करीब 22 किलोग्राम प्रतिबंधित केमिकल बरामद किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 32.56 करोड़ रुपये बताई जा रही है।पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी न केवल शातिर अपराधी हैं, बल्कि तकनीकी रूप से भी दक्ष हैं। मौके से उत्तर प्रदेश के तीन केमिकल इंजीनियर-कृष्णा, अंशुल शास्त्री और अखिलेश मौर्य को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी अपनी तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग अवैध रूप से अलप्राजोलम, टेमाजेपाम और पैराजेपाम जैसे प्रतिबंधित एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स के निर्माण में कर रहे थे।जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने महज एक माह पहले ही कहरानी में एक बंद पड़ी फैक्ट्री को किराए पर लिया था। बिना किसी वैध लाइसेंस या पंजीकरण के, फैक्ट्री के भीतर छिपी मशीनों के जरिए नशीले रसायनों का उत्पादन किया जा रहा था। इस ड्रग नेटवर्क का दायरा केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं था। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यहां तैयार किए गए केमिकल को टैबलेट का रूप देकर पहले गुजरात भेजा जाना था। वहां से डीलरों के माध्यम से इन नशीली दवाओं की खेप देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ अमेरिका और कनाडा जैसे देशों में तस्करी की जानी थी।

अरावली केस में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले पर लगाई रोक

एजेंसी। नई दिल्ली

अरावली मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पहले के आदेश फिलहाल रोक दिए हैं। यह फैसला तब तक लागू रहेगो जब तक एक नई समिति नहीं बन जाती। कोर्ट ने 20 नवंबर को दिए अपने ही फैसले पर रोक लगाते हुए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से इस मामले में जवाब मांगा है और अगली सुनवाई 21 जनवरी को तय की है। यह फैसला सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने सुनाया है। बता दें कि अरावली मामले को लेकर देश का सियासी पारा हाई है। वहीं पर्यावरण प्रेमी भी अरावली के साथ छेड़छाड़ के सख्त खिलाफ हैं। पहले के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक जैसी परिभाषा को मंजूरी दी थी। इसके तहत, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले अरावली इलाकों में नए खनन पट्टों पर तब तक रोक लगा दी गई थी जब तक विशेषज्ञों की रिपोर्ट नहीं आ जाती। कोर्ट ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति की सिफारिशों को माना था। समिति के अनुसार, 'अरावली पहाड़ी को ऐसे किसी भी भू-भाग के रूप में परिभाषित किया जाएगा जो चिह्नित अरावली जिलों में हो और जिसकी ऊंचाई स्थानीय निचले बिंदु से 100 मीटर या उससे अधिक हो।' कोर्ट ने यह भी कहा कि अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की अलग-अलग समय की स्थिति का अध्ययन एक समिति करेगी।

सरसों की खेती से दूर होते जा रहे हैं केसठ के किसान

केटी न्यूज/केसठ

एक समय था जब केसठ प्रखंड क्षेत्र के खेतों में चारों ओर पीली सरसों के फूल लहराते नजर आते थे। रबी मौसम में सरसों यहां की प्रमुख नकदी फसलों में गिनी जाती थी। लेकिन बदलते समय और परिस्थितियों के साथ अब किसान सरसों की खेती से धीरे धीरे दूरी बनाते जा रहे हैं। वर्तमान में हालात ऐसे हैं कि पहले जहां सैकड़ों एकड़

में सरसों की खेती होती थी, वहीं अब यह सिमट कर बहुत कम रकबे में रह गई है। किसानों के अनुसार सरसों की खेती छोड़ने का सबसे बड़ा कारण उत्पादन लागत का बढ़ना और अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाना है। खाद, बीज, कीटनाशक और सिंचाई की लागत लगातार बढ़ती जा रही है, जबकि सरसों का बाजार मूल्य किसानों को संतोषजनक मुनाफा नहीं दे पा रहा। कई किसानों का कहना है कि अगर मौसम थोड़ा भी प्रतिकूल हो जाए तो पूरी फसल प्रभावित हो जाती है, जिससे मेहनत और पूंजी दोनों डूब जाती हैं। इसके अलावा मौसम की मार भी सरसों की खेती पर भारी पड़ रही है। कभी समय पर बारिश नहीं होती, तो कभी अचानक ओलावृष्टि और पाला फसल को नुकसान पहुंचा देता है। पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण सरसों की पैदावार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। ऐसे में किसान गेहूं, चना और सब्जियों जैसी अपेक्षाकृत सुरक्षित फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। किसानों का यह भी कहना है कि सरसों की खरीद के लिए सरकारी स्तर पर ठोस व्यवस्था नहीं है। न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा तो होती है, लेकिन जमीनी स्तर पर खरीद केंद्रों की कमी के कारण किसान मजबूरी में दलालों को औने पौने दाम पर सरसों बेच देते हैं। इससे उन्हें उचित लाभ नहीं मिल पाता और अगली बार वे इस फसल को बोने से कतराते हैं।

स्थानीय किसान बताते हैं कि पहले सरसों की खेती से घर का तेल निकल जाता था और अतिरिक्त उपज बेचकर अच्छी आमदनी भी हो जाती थी। अब स्थिति यह है कि किसान खुद के उपयोग के लिए भी सरसों बोने से पीछे हट रहे हैं। कुछ किसानों ने बताया कि यदि सरकार बीज, खाद और सिंचाई पर अनुदान दे, साथ ही एमएसपी पर सुनिश्चित खरीद की व्यवस्था करे तो सरसों की खेती को फिर से बढ़ावा मिल सकता है।

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि सरसों एक लाभकारी तिलहन फसल है और इससे किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सकती है, लेकिन इसके लिए आधुनिक तकनीक, बेहतर बीज और सरकारी सहयोग जरूरी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में केसठ क्षेत्र से सरसों की खेती पूरी तरह समाप्त होने का खतरा बना रहेगा।

दुर्घटनाओं पर लगाम के लिए वैज्ञानिक डाटा, अवैध कट होंगे बंद, दिशा बैठक में विकास योजनाओं की गहन समीक्षा

सड़क सुरक्षा से लेकर समग्र विकास तक सख्त तेवर : सांसद सुधाकर सिंह की अध्यक्षता में दो अहम बैठकों में अधिकारियों को कड़े निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में लगातार दो महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया गया। पहली बैठक सड़क सुरक्षा समिति की तथा दूसरी बैठक जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की हुई। दोनों बैठकों की अध्यक्षता सांसद एवं सड़क सुरक्षा समिति तथा दिशा के अध्यक्ष सुधाकर सिंह ने की। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डुमरांव विधायक राहुल सिंह, सदर विधायक आनंद मिश्रा, जिलाधिकारी साहिला, उप विकास आयुक्त, पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी सहित सभी संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में हो रही सड़क दुर्घटनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। सांसद सिंह ने निर्देश दिया कि प्रत्येक सड़क दुर्घटना का विवरण समेकित सड़क दुर्घटना डाटाबेस (आईआरएडी) एवं इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना प्रतिवेदन (ई-डार) पोर्टल पर समयबद्ध रूप से दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि सही और पूर्ण आंकड़ों के बिना दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों की पहचान संभव नहीं है। डाटा के वैज्ञानिक विश्लेषण से ही सुधारात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर बने अवैध रास्तों को दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बताया गया। सांसद ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक को जिले में स्थित सभी अनधिकृत कटों को तत्काल बंद कराने का निर्देश दिया। विशेष रूप से अहिरौली के पास बने अवैध कट को लेकर डुमरांव विधायक राहुल सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए शीघ्र कार्रवाई के आदेश दिए।

आपातकालीन सेवा और सड़क संकेत होंगे मजबूत

दुर्घटनाओं के बाद घायलों को समय पर इलाज मिल सके, इसके लिए राष्ट्रीय राजमार्गों पर एम्बुलेंस सेवा को और सुदृढ़ करने का निर्देश दिया गया। साथ ही दुर्घटना संभावित स्थानों पर दिशा सूचक दर्पण, सड़क संकेतक, सड़क चिह्नांकन तथा अन्य सुरक्षा उपकरण लगाने पर जोर दिया गया।

मुआवजा और बीमा दावे में तेजी

बैठक में सड़क दुर्घटना पीड़ितों को मिलने वाले मुआवजे और बीमा दावों की समीक्षा की गई। सांसद ने निर्देश दिया कि दावों के निस्तारण की गति और प्रतिशत दोनों में वृद्धि सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ित परिवारों को समय पर सहायता और न्याय मिल सके।

चार ई सिद्धांत पर जोर

सांसद ने स्पष्ट कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए शिक्षा, प्रवर्तन, अभियांत्रिकी और आपातकालीन सेवाकृइन चारों पहलुओं पर समन्वित और प्रभावी कार्रवाई जरूरी है। अंत में उन्होंने दोहराया कि सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा है।

दिशा बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा

इसके बाद सांसद की अध्यक्षता में दिशा की जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त, पुलिस अधीक्षक, सभी विधायक, जिला एवं प्रखंड स्तरीय जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में जिले के समग्र विकास से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा की गई। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जल संसाधन, जलापूर्ति, विद्युत, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

जनकल्याणकारी योजनाओं में तेजी के निर्देश

सांसद ने सभी विभागों से योजनाओं की उपलब्धियों, समस्याओं और चुनौतियों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए नियमित निगरानी की जाए। जल आपूर्ति, कृषि और बिजली से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और नियमितता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। सांसद ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, तभी जिले का संतुलित और समग्र विकास संभव होगा। बैठक के अंत में सभी विभागों को निदेर्शों के अनुपालन और प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर उपलब्ध कराने को कहा गया।

एससी-एसटी अत्याचार निवारण मामलों की हुई समीक्षा 163 लाभुकों को मिला 1.31 करोड़ का मुआवजा

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की चतुर्थ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में लंबित मामलों, मुआवजा वितरण, पेंशन भुगतान और न्यायालयीन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सांसद सुधाकर सिंह, राजपुर, ब्रह्मपुर, बक्सर एवं डुमरांव के विधायक, विधान परिषद सदस्य गया निर्वाचन क्षेत्र, पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित संबंधित विभागों के वरीय अधिकारी मौजूद रहे। जिला कल्याण पदाधिकारी सह सदस्य सचिव ने विगत बैठक की कार्यवाही के अनुपालन से सदस्यों को अवगत कराया। जिला कल्याण पदाधिकारी ने जानकारी दी कि जिले को एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मुआवजा मद में कुल 150 लाख रुपये प्राप्त हुए हैं। इसमें से 131.25 लाख रुपये की राशि 163 लाभुकों के बीच वितरित की जा चुकी है। साथ ही हत्या के 33 मामलों में आश्रितों को नवंबर 2025 तक पेंशन राशि का भुगतान किया गया है। अधिनियम के तहत न्यायालय में आरोप पत्र समर्पण के लिए कुल 39 मामले लंबित बताए गए। आरोप गठन के बाद दो आश्रितों को नियुक्ति दी जा चुकी है, जबकि तीन मामले प्रक्रियाधीन हैं।

इसी क्रम में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मैनुअल स्कैवेंजर रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम 2013 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं सर्वेक्षण समिति की बैठक भी संपन्न हुई। सभी नगर परिषद एवं नगर पंचायतों ने बताया कि सफाई कर्मियों का कार्य आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से कराया जा रहा है और जिले में वर्तमान में किसी भी प्रकार का मैनुअल स्कैवेंजर नहीं है। सभी सफाई कार्य मशीनों से किए जा रहे हैं। नगर परिषद डुमरांव में चार सेक्शन मशीन, ब्रह्मपुर में एक सेक्शन मशीन, नगर परिषद बक्सर में एक जेटिंग मशीन, तीन सेक्शन मशीन और एक पोकलेन की उपलब्धता की जानकारी दी गई। बैठक में सभी कार्यपालक पदाधिकारी, वरीय कोषागार पदाधिकारी, विशेष लोक अभियोजक एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शेरशाह सूरी फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में 2-2 की बराबरी के बाद टाइब्रेक में बक्सर विजयी, फाइनल में गाजीपुर से होगा मुकाबला

केटी न्यूज/चौसा

चौसा खेल मैदान पर आयोजित शेरशाह सूरी फुटबॉल प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला सोमवार को रोमांच, संघर्ष और जुनून से भरपूर रहा। शेरशाह सूरी जनकल्याण संस्थान के तत्वावधान में चल रही चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में आरा एकादश और बक्सर एकादश के बीच खेला गया मुकाबला दर्शकों के लिए यादगार बन गया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रहीं, जिसके बाद टाइब्रेक में बक्सर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आरा को शिकस्त दी और फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। मैच की शुरूआत से ही आरा एकादश ने आक्रामक तेवर दिखाए। खेल के शुरूआती चरण में ही आरा के खिलाड़ियों ने बक्सर की रक्षापंक्ति को भेदते हुए समयांतराल में एक के बाद एक दो शानदार गोल दाग दिए। शुरूआती बढ़त मिलने से आरा का

आत्मविश्वास बढ़ा और उसने लगातार दबाव बनाए रखा। पहले हाफ के अंत तक आरा 2-0 से आगे था। हालांकि, दूसरे हाफ में मुकाबले की तस्वीर पूरी तरह बदल गई। बक्सर एकादश ने संयम और रणनीति के साथ खेलते हुए आक्रमण तेज किया। मध्य पंक्ति से मिले बेहतरीन पास और तेज मूवमेंट का फायदा उठाते हुए बक्सर ने पहले एक गोल कर वापसी की और फिर कुछ ही देर में दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। बराबरी के बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए भरपूर प्रयास किए, लेकिन निर्धारित समय तक कोई भी टीम निर्णायक बढ़त नहीं बना सकी।

इसके बाद मुकाबला टाइब्रेक में पहुंचा, जहां बक्सर के खिलाड़ियों ने मानसिक मजबूती और सटीक निशानेबाजी का परिचय दिया। गोलकीपर के शानदार बचाव और खिलाड़ियों की सधी हुई किक के दम पर बक्सर ने आरा को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बक्सर की जीत के साथ मैदान तालियों और नारों से गूंज उठा। मैच का उद्घाटन थानाध्यक्ष शम्भू भगत एवं बीडीओ मनोज पासवान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। आयोजन की अध्यक्षता कर रहे डॉ. मनोज कुमार यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल भावना और अनुशासन के साथ खेलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण क्षेत्र में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं और युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा भरते हैं। मैच का सफल संचालन रेफरी पप्पू कुमार सिंह ने किया। आयोजन को सफल बनाने में प्रो. रमेशचंद श्रीवास्तव, इंजीनियर नितेश उपाध्याय, अधिवक्ता रामलखन पाल, डॉ. सुनील सिंह यादव, रामाशीष सिंह, संजय मास्टर, विनोद कुमार यादव, पंकज कुमार सिंह, चंदन चौधरी, आनंद रावत सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों और कार्यकताओं का सराहनीय योगदान रहा। अब मंगलवार को फाइनल मुकाबले में बक्सर एकादश का सामना गाजीपुर एकादश से होगा, जिसको लेकर खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

एक नजर

खराब सीसीटीवी कैमरे को बनाने की कार्यवाही शुरू, एसपी जनता दरबार में उठी थी मांग

डुमरांव। नगर में 200 सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है, जिसमें 70 खराब पड़े हुए हैं। इसकी शिकायत एसपी शुभम आर्य के द्वारा बिते रविवार को डुमरांव थाना में लगाए गए जनता दरबार में की गई थी। उक्त शिकायत पर एसपी ने डुमरांव थाना प्रभारी को नप ईओ से मिल खराब पड़े सीसीटीवी कैमरे को सही करने की दिशा में पहल करने का आदेश दिया था। उसी आदेश के आलोक में थाना प्रभारी ने नप ईओ राहुलधर दूबे बात की फिर सोमवार से सीसीटीवी कैमरा लगाने का काम शुरू कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में 200 सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है, जिसमें 70 खराब स्थिति में हैं। नगर के कुछ ऐसे भाग भी है, जहां कैमरा लगा ही नहीं है, ऐसे स्थलों का चयन किया जा रहा है। समित्रा महिला कॉलेज रोड में सीसीटीवी कैमरा लगाना जरूरी है। कुछ लोगों द्वारा यह शिकायत मिली है कि इस रोड में मनचले युवक कॉलेज की छात्राओं पर फब्ती कसते हैं और छेड़कानी की बात भी सामने आयी है। उस रोड दिन और रात में पुलिस गश्त करने की भी मांग की गई है। इओ के आदेश पर सीसीटीवी की मरम्मत शुरू कर दी गई है। वहीं लगाने के लिये जरूरत वाले स्थलों का चयन भी किया जा रहा है। आने वाले समय में जरूरत वाले स्थानों पर सीसीटीवी लगाया जाएगा और खराब पड़े सभी को सही कर दिया जाएगा।

नगरवासियों को ठंढ से बचाव को लेकर किया जा रहा आलाव जलाने व कंबल का वितरण

डुमरांव। कड़ाके की ठंड को देखते हुए नगर विकास एवं आवास विभाग के निर्देश पर डुमरांव नगर परिषद की ओर से शहर के सभी 35 वार्डों में कंबल वितरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस पहल का उद्देश्य ठंड से सबसे अधिक प्रभावित असहाय, गरीब और जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाना है। नगर परिषद द्वारा संचालित इस अभियान से शहर के झुग्गी-झोपड़ी, फुटपाथ, रेलवे स्टेशन क्षेत्र और कमजोर आर्थिक वर्ग के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। इतना ही नहीं चिन्हित 30 स्थानों पर अलाव जलाने की भी व्यवस्था की गई है। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष ठंड को ध्यान में रखते हुए लगभग तीन हजार कंबलों की खरीदारी की गई है। उन्होंने कहा कि सभी 35 वार्डों को समान रूप से 70-70 कंबल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वार्ड स्तर पर जनप्रतिनिधियों और नगर परिषद कर्मियों की देखरेख में वितरण का कार्य किया जा रहा है, ताकि सही लाभार्थियों तक सहायता पहुंच सके। इसकी जानकारी देते हुए ईओ राहुल धर दुबे ने बताया कि कंबल वितरण का कार्यक्रम पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से चलाया जा रहा है। वार्ड पार्षदों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे लोगों की पहचान करें, जो अत्यंत गरीब हैं, जिनके पास ठंड से बचाव के पर्याप्त साधन नहीं हैं। खास तौर पर बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगों और बेसहारा लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है। इस संबंध में स्थानीय लोगों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि तापमान गिरने और ठंडी हवाओं के बीच नगर परिषद की यह पहल काफी सराहनीय है। गरीब तबके के लोगों के लिए कंबल ठंड से बचाव का एक बड़ा सहारा साबित हो रहा है। कई वार्डों में वितरण शुरू होते ही जरूरतमंद लोगों की भीड़ देखी गई, जिससे यह स्पष्ट है कि इस योजना की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। नगर परिषद प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि जरूरत पड़ी तो अतिरिक्त कंबलों की व्यवस्था पर भी विचार किया जाएगा। साथ ही शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था को भी और मजबूत किया जा रहा है, ताकि रात के समय खुले में रहने वाले लोगों को ठंड से राहत मिल सके। नगर परिषद की इस पहल से शहर में सकारात्मक संदेश गया है और लोगों ने प्रशासन से ठंड के पूरे मौसम में इस तरह की राहत व्यवस्था जारी रखने की मांग की है।

सड़क हादसे में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों को मिला 3.70 करोड़ का बीमा लाभ

- **बीएमपी-4 में सम्मान और संबल का संदेश, बैंक ऑफ बड़ौदा ने आयोजित किया था कार्यक्रम**

केटी न्यूज/डुमरांव

समाज की सुरक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों के लिए सोमवार का दिन भावुक और संबल देने वाला रहा। डुमरांव स्थित बीएमपी-4 परिसर में बैंक ऑफ बड़ौदा के पुलिस सैलरी पैकेज (पीएसपी) कार्यक्रम के तहत आयोजित बीमा लाभ वितरण समारोह में सड़क दुर्घटना में शहीद हुए दो पुलिसकर्मियों के आश्रितों को कुल 3 करोड़ 70 लाख रुपये की मुआवजा राशि सौंपी गई। यह

आयोजन न केवल आर्थिक सहायता का प्रतीक बना, बल्कि पुलिस परिवारों के प्रति संस्थागत जिम्मेदारी और सम्मान का संदेश भी दे गया।

दोपहर एक बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में डीआईजी सह कमांडेंट अजय कुमार पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनके साथ बीएमपी एसपी शैशव यादव, डीएसपी ललन सिंह, बैंक ऑफ बड़ौदा के डिफेंस बैंकिंग डीजीएम दीपक कुमार सहित कई वरिष्ठ पुलिस एवं बैंक अधिकारी मंचासीन थे। समारोह में जदयू नेत्री एवं डुमरांव विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी अंजुम आरा की उपस्थिति भी रही।

बीमा योजना बनी सहारा

कार्यक्रम के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा की पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत दुर्घटना में दिवंगत दो पुलिसकर्मियों के नामित आश्रितों को बीमा राशि का वितरण किया गया। इस क्रम में स्वर्गीय देवेंद्र पासवान की नॉमिनी रेणु देवी को 2 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। देवेंद्र पासवान की 18 मार्च को उदवंतनगर के समीप एक सड़क दुर्घटना में दुखद मृत्यु हो गई थी। वहीं, दूसरे दिवंगत पुलिसकर्मी स्वर्गीय कौशल कुमार की नॉमिनी ममता देवी को 1 करोड़ 70 लाख रुपये का बीमा लाभ दिया गया। कौशल कुमार का निधन 13 दिसंबर 2024 को सड़क दुर्घटना में हुआ था।

कर्तव्य की कीमत और परिवारों का भविष्य

मुआवजा राशि प्राप्त करते समय आश्रितों की आंखों में जहां अपने प्रिय को खोने का दर्द साफ झलक रहा था, वहीं इस आर्थिक सहयोग ने उनके भविष्य को लेकर एक नई उम्मीद भी जगाई। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने इसे पुलिस परिवारों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच बताया।

अधिकारियों ने की सराहना

मुख्य अतिथि डीआईजी अजय कुमार पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिसकर्मी दिन-रात, हर परिस्थिति में समाज की सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। ऐसे में उनके आकस्मिक निधन के बाद परिवारों को आर्थिक संबल मिलना बेहद जरूरी है। उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के मनोबल को मजबूत करती हैं।अन्य अधिकारियों ने भी बैंक की इस योजना को पुलिस परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसे अन्य संस्थानों के लिए प्रेरणास्रोत करार दिया। समारोह के अंत में दिवंगत पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके योगदान को याद करते हुए सभी ने एक स्वर में पुलिस परिवारों के साथ खड़े रहने का संकल्प लिया।

Mob: 9122226720

कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक

सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढेलवानी मोड़, डुमराँव

डा. बिरेन्द्र कुमार

आर्थोपेडिक सर्जन

हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डा. एस.के. अम्बष्ठ

M.B.B.S (MKCC, ODISHA)

MD (Derma & Cosmetology),

KMC Manipal (Gold Medalist)

चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ

प्रत्येक मंगलवार

डा. अरूण कुमार

जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन

(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)

पेट रोग विशेषज्ञ

प्रत्येक गुरूवार

दिल्ली के मैदान पर डुमरी के बेटे ने लहराया परचम, आयुष यादव ने रचा इतिहास

■ 13वें राष्ट्रीय खेल में स्वर्ण, रजत के साथ जीता बेस्ट प्लेयर का खिताब, गांव से राष्ट्रीय पटल तक प्रतिभा की उड़ान

केटी न्यूज/सिमरी

देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित 13वें राष्ट्रीय खेल में बक्सर जिले के सिमरी प्रखंड अंतर्गत डुमरी गांव के युवा खिलाड़ी आयुष यादव ने ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने जिले ही नहीं बल्कि पूरे बिहार को गौरवान्वित कर दिया। संयुक्त भारतीय खेल फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में आयुष ने प्रो कबड्डी में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक, रजत पदक के साथ ह्यबेस्ट प्लेयर अवार्डह्न अपने नाम कर लिया।

कड़ी प्रतिस्पर्धा में दिखाई असाधारण प्रतिभा

26 से 28 दिसंबर 2025 तक चले इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल महाकुंभ में देश के 20 से अधिक राज्यों से आए करीब 3,500 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल विधाओं में भाग लिया। प्रो कबड्डी की प्रतिस्पर्धा बेहद रोमांचक रही, जहां हर मुकाबला खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता और रणनीतिक समझ की परीक्षा ले रहा था। ऐसे माहौल में आयुष यादव ने अपने तेज रिफ्लेक्स, बेहतरीन रेडिंग स्किल और मजबूत डिफेंस से सभी को प्रभावित किया और निर्णायकों की नजरों में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनकर उभरे।

साधारण गांव से असाधारण सफलता की कहानी

आयुष यादव सेवानिवृत्त महेंद्र सिंह यादव के पौत्र एवं प्रतिष्ठित शिक्षक देवेंद्र प्रसाद यादव के सुपुत्र हैं। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े आयुष की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। अनुशासन, कड़ी मेहनत और सही मार्गदर्शन के बल पर गांव का एक युवक राष्ट्रीय मंच पर अपनी अलग पहचान बना सकता है।

गांव में उत्सव, बधाइयों का तांता

आयुष की इस ऐतिहासिक सफलता की सूचना जैसे ही गांव के युवा नेता सुकेश गुप्ता द्वारा साझा की गई, डुमरी गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयों का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। आदित्य यादव, सुबोध गुप्ता, अंजय यादव, मनीष कुमार सहित कई गणमान्य लोगों ने आयुष और उनके परिवार को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों का कहना है कि आयुष यादव ने सिमरी प्रखंड ही नहीं, पूरे बक्सर जिले का मान बढ़ाया है। आज वह गांव के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गए हैं, जिनके सपनों को उनकी सफलता ने नई उड़ान दे दी है।

मिलते-जुलते नाम की कंपनियों के खेल में उलझा शिक्षा विभाग, सफाई कार्य में बड़े वित्तीय घोटाले की आशंका

■ फर्स्ट आईडिया डिजिटल एप्लीकेशन ने निविदा डाला व विभाग से चयनित हुआ जबकि कार्यादेश मिला फर्स्टआईडिया डिजिटल्स एपलिकेशन को

■ मामला डीईओ के संज्ञान में आने के बावजूद नहीं हो रही है कार्रवाई, कही तथाकथित शिक्षा माफियाओं की करतूत तो नहीं

केटी न्यूज/बक्सर

जिला शिक्षा कार्यालय बक्सर एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में आ गया है। इस बार मामला सरकारी विद्यालयों में साफ-सफाई कार्य से जुड़ा है, जहां मिलते-जुलते नाम वाली कंपनियों के जरिये कथित तौर पर वित्तीय गड़बड़ी को अंजाम देने का आरोप सामने आया है। साक्ष्यों के साथ दिए गए एक आवेदन ने पूरे शिक्षा महकमे में हड़कंप मचा दिया है और अब जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

चयनित एजेंसी एक, भुगतान दूसरी को

मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि शिक्षा विभाग द्वारा जिस हाउसकिपिंग एजेंसी का चयन किया गया था, कार्य और भुगतान उससे अलग नाम की कंपनी को कर दिया गया। आवेदन के अनुसार, विभाग की ओर से फर्स्ट आईडिया डिजिटल एप्लीकेशन प्राइवेट लिमिटेड को चयनित किया गया था, लेकिन जिला स्तर पर हुए एकरारनामे और भुगतान फर्स्ट आईडिया डिजिटल्स एप्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड नामक दूसरी कंपनी को किए जा रहे हैं। नाम में मामूली फर्क दिखाने वाली ये दोनों कंपनियां वास्तव में पूरी तरह अलग हैं। दोनों का जीएसटी नंबर, पैन कार्ड, सीआईएन नंबर तक अलग-अलग बताया गया है। यही नहीं, चयनित कंपनी वर्ष 2015 में पंजीकृत है, जबकि जिसके साथ एकरारनामा हुआ, वह कंपनी वर्ष 2019 में पंजीकृत बताई जा रही है।

पत्रांक 1515 बना गड़बड़ी की बुनियाद

आवेदन में उल्लेख है कि शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं निदेशक (प्रशासन) द्वारा पत्रांक 1515 के माध्यम से जिलों को चयनित एजेंसियों की सूची उपलब्ध कराई गई थी। इसी पत्र के आधार पर बक्सर जिले के तीन प्रखंडों में साफ-सफाई का कार्य आवंटित किया गया। लेकिन आरोप है कि इसी प्रक्रिया का फायदा उठाते हुए मिलते-जुलते नाम वाली दूसरी कंपनी को काम और भुगतान दे दिया गया, जो स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है।

दो साल से चल रहा खेल

सबसे गंभीर बात यह है कि यह कथित गड़बड़ी कोई नई नहीं, बल्कि पिछले दो वर्षों से जारी बताई जा रही है। आरोपित एजेंसी इस दौरान जिले के तीन प्रखंडों के सरकारी स्कूलों में साफ-सफाई कार्य कर रही है और नियमित रूप से भुगतान भी प्राप्त कर रही है। यदि आरोप सही साबित होते हैं तो यह मामला सिर्फ लापरवाही का नहीं, बल्कि सुनियोजित वित्तीय घोटाले का रूप ले सकता है।

शिकायत के साथ सौंपे गए ठोस साक्ष्य

डीईओ कार्यालय को दिए गए आवेदन में कंपनियों से जुड़े दस्तावेज, जीएसटी, पैन और सीआईएन से संबंधित साक्ष्य संलग्न किए गए हैं। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर पूरे प्रकरण की परतें खुलनी शुरू हुई हैं। आवेदन मिलने के बाद कार्यालय में अफरातफरी का माहौल है और अधिकारी भी सतर्क हो गए हैं।

जांच कमेटी बनेगी, दोषियों पर होगी कार्रवाई

इस मामले में जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप रंजन ने स्वीकार किया कि साक्ष्य के साथ आवेदन प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि विभाग से उस एजेंसी के सभी मूल दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जिसका नाम पत्रांक 1515 में दर्ज है। सभी दस्तावेजों का मिलान कर जांच कमेटी गठित की जाएगी। डीईओ ने स्पष्ट कहा कि जांच में यदि किसी भी स्तर पर गड़बड़ी या मिलीभगत सामने आती है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कही तथाकथित माफियाओं की कारगुजारी तो नहीं

इस पूरे प्रकरण ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सबकी निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जो तय करेगी कि यह महज तकनीकी चूक है या फिर करोड़ों के संभावित घोटाले की सुनियोजित कहानी। वहीं, दबे जुबां विभागीय जानकारी आशंका जता रहे है कि कही इस खेल के मास्टरमाइंड विभाग में सक्रिय तथाकथित शिक्षा माफिया तो नहीं है। हालांकि, यह जांच के बाद ही कुछ स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल मामला डीईओ के संज्ञान में आने बावजूद अबतक कार्रवाई नहीं होने से कई सवाल खड़े हो रहे है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 7 वर्षीय बच्ची घायल

केटी न्यूज। नावानगर

स्थानीय प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप सोमवार को सड़क हादसा में एक बच्ची गंभीररुप से जख्मी हो गई। घायल बच्ची धवछुवां गांव निवासी उमेश पासवान की सात वर्षीय पुत्री सोनल कुमारी बताया जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सोनल अपनी मां और एक अन्य छोटी बच्ची के साथ सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान अचानक तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्ची करीब तीन से चार फीट ऊपर उछलकर दूर जा गिरी। जिससे बच्ची के सिर में गंभीर चोट आई और सिर फट गया और वह लहूलुहान हो गई। घटना के बाद वाहन चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों, अस्पताल कर्मियों और पुलिस के सहयोग से घायल बच्ची को तुरंत सीएचसी नावानगर में भर्ती कराया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया गया।इस संबंध में वासुदेव थाना अध्यक्ष अनिल कुमार पासवान ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक बच्ची जख्मी हुई है,जिसे बेहतर इलाज के लिए बक्सर भेज दिया गया है।साथ ही अज्ञात वाहन की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।पहचान हो जाने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रसेन गांव से राइफल, कट्टा व कारतूस बरामद, बारूपुर मार्ग पर हथियार लहराता अपराधी हुआ गिरफ्तार

■ डीएसपी बोले, कानून तोड़ने वालों पर नहीं होगी कोई नरमी

■ फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ पुलिस ने निर्णायक और सख्त रुख अपनाते हुए एक के बाद एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। अलग-अलग स्थानों पर की गई इन कार्रवाइयों में पुलिस ने न सिर्फ घातक हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं, बल्कि एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। इस पूरे अभियान की जानकारी डीएसपी गौरव पाण्डेय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी। डीएसपी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक, को गुप्त सूचना मिली थी कि राजपुर थाना क्षेत्र के रसेन गांव निवासी ईश्वर चन्द्र सिंह उर्फ झगरू यादव अपने घर में अवैध हथियार छुपाकर रखे हुए है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया।

रसेन गांव में छापेमारी, हथियारों का जखीरा बरामद

गठित एसआईटी टीम ने विधिवत प्रक्रिया का पालन करते हुए रसेन गांव में झगरू यादव के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस को घर से एक एकनाली राइफल, एक देशी कट्टा और छह जिंदा कारतूस बरामद हुए। हालांकि, कार्रवाई के समय आरोपी घर पर मौजूद नहीं था। बरामद सभी हथियारों को जब्त कर राजपुर थाना लाया गया, जहां इस मामले में राजपुर थाना कांड संख्या 398/25 दर्ज की गई है। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

हथियार लहराकर दहशत फैलाने वाला आरोपी दबोचा

इसी क्रम में पुलिस को दूसरी बड़ी सफलता तब मिली, जब सूचना मिली कि राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रूपपोखर से बारूपुर जाने वाले रास्ते के पास एक व्यक्ति हथियार लहराकर लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही एसआईटी को मौके पर भेजा गया। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगा, लेकिन सशस्त्र बल की तत्परता से उसे घेरकर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कमर से दो देशी कट्टा बरामद हुए, जिनमें से एक में एक जिंदा कारतूस भी था। गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम चंदन राजभर, पिता रामकिशोर राजभर, निवासी बारूपुर, थाना राजपुर बताया।

पुराना आपराधिक इतिहास भी आया सामने

पुलिस पूछताछ में चंदन राजभर ने स्वीकार किया कि वह अवैध हथियार रखकर लोगों में दहशत फैलाता था और इलाके में अपना वर्चस्व कायम करना चाहता था। पुलिस रिकॉर्ड खंगालने पर उसके खिलाफ पहले से गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने की पुष्टि हुई है। उसके विरुद्ध राजपुर थाना कांड संख्या 141/2006 (धारा 376/34 भादवि) तथा कांड संख्या 147/2013 (धारा 386/307/506 भादवि) दर्ज है।

एक नजर

नवाडेरा मोड़ पर शराब तस्करों की धरपकड़ बाइक समेत दो आरोपी गिरफ्तार

डुमरांव। शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के क्रम में नया भोजपुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना क्षेत्र के नवाडेरा मोड़ के पास शनिवार की संध्या पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए दो शराब तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन गिरी पिता काशी गिरी एवं अभिषेक गिरी पिता दयानंद गिरी के रूप में की गई है। दोनों आरोपी हरखाही मठिया, थाना कृष्णब्रह्म, जिला बक्सर के निवासी बताए जा रहे हैं। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 20 लीटर देशी शराब एवं 09 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई। साथ ही शराब ढोने में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि दोनों आरोपी मोटरसाइकिल पर शराब की खेप लेकर जा रहे थे, तभी नवाडेरा मोड़ के पास पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में शराब तस्करी से जुड़े नेटवर्क के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि शराब कारोबारियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी सूरत में उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

नववर्ष से पहले पुलिस का ड्राई स्ट्राइक शराब पीने वालों पर कसा शिकंजा

कृष्णाब्रह्म। नववर्ष के आगमन से पहले कृष्णाब्रह्म पुलिस पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रही है। शराबबंदी को सख्ती से लागू कराने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार की देर शाम पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर शराब के सेवन के आरोप में चार लोगों को धर दबोचा। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में बिनोद नट, बिटू गोंड़ (कठार), लालबिहार राम (दियामान) और दसई नट (नया भोजपुर) शामिल हैं। पुलिस ने सभी को मौके से हिरासत में लेकर मेडिकल जांच कराई, जिसके बाद सोमवार को न्यायिक प्रक्रिया के तहत उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने बताया कि नए साल को लेकर असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शराब पीने, बेचने या तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की नजर हर गतिविधि पर है और लगातार छापेमारी जारी रहेगी।

15 महिलाओं की नसबंदी, अनुमंडलीय अस्पताल में मरीजों को बांटे गए कम्बल

डुमरांव। डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में हाल के दिनों में हुए व्यवस्था परिवर्तन से मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है। लंबे समय से अव्यवस्थाओं और लापरवाही को लेकर चर्चा में रहने वाला यह अस्पताल अब धीरे-धीरे बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की ओर बढ़ रहा है। जिलाधिकारी के सख्त निर्देश और प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. श्रुति प्रकाश के नेतृत्व में अस्पताल की कार्यप्रणाली में सकारात्मक बदलाव साफ तौर पर नजर आने लगा है। सोमवार को इसका एक जीवंत उदाहरण देखने को मिला, जब महिला चिकित्सक के छुट्टी पर चले जाने के बावजूद ओपीडी सेवा बाधित नहीं हुई। प्रभारी उपाधीक्षक ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए मरीजों का इलाज किया।

मरीजों में संतोष का भरोसा : ओपीडी में बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों को समय पर परामर्श और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। इससे मरीजों और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली और अस्पताल प्रशासन की सक्रियता की सराहना की। इसी दिन परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत 15 महिलाओं का सफलतापूर्वक नसबंदी ऑपरेशन भी किया गया। पूरी प्रक्रिया चिकित्सकीय मानकों के अनुरूप सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराई गई। ऑपरेशन के बाद महिलाओं की विशेष देखभाल की गई और उन्हें आवश्यक दवाइयों के साथ-साथ कंबल भी वितरित किए गए, ताकि ठंड के मौसम में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस पहल से मरीजों में संतोष और भरोसा देखने को मिला।

बन रहा भरोसेमंद स्वास्थ्य केंद : अस्पताल में बढ़ती सक्रियता और अनुशासन का असर अब साफ दिखने लगा है। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है, वहीं मरीजों की समस्याओं का त्वरित समाधान प्राथमिकता बन गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर अस्पताल प्रबंधन नियमित निरीक्षण और समीक्षा भी कर रहा है, जिससे लापरवाही पर रोक लग सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह व्यवस्थाएं सुदृढ़ होती रहीं, तो डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल क्षेत्र के लोगों के लिए एक भरोसेमंद स्वास्थ्य केंद्र बन रहा है। मरीजों को अब इलाज के लिए बाहर जाने की मजबूरी नहीं झेलनी पड़ेगी। कुल मिलाकर, अस्पताल में हो रहे ये सकारात्मक बदलाव स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने वाले साबित हो रहे हैं।

संसार में रहकर ईश्वर-स्मरण ही जीवन का परम धर्म : उमेश भाई ओझा

■ हनुमत धाम में भागवत कथा के आठवें दिन भक्ति, वैराग्य और लीला प्रसंगों की अमृतधारा

केटी न्यूज/बक्सर

सदर प्रखंड के हनुमत धाम मंदिर परिसर में आयोजित संत सदगुरुदेव स्मृति महोत्सव के अंतर्गत चल रही श्रीमद् भागवत कथा ने भक्तों को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया। कथा के आठवें दिन सोमवार को पूज्य व्यास उमेश भाई ओझा ने भगवान की लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को यह संदेश दिया कि संसार का कार्य करते हुए भगवान का स्मरण करना ही सच्ची और सरल भक्ति है। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे नजर आए। अपने प्रवचन में व्यास जी ने कहा कि मनुष्य के जीवन में दुखों का मूल कारण छह विकार, काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर हैं। जब तक इन विकारों पर नियंत्रण नहीं होता, तब तक आत्मिक शांति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि संतों की संगति और पवित्र ग्रंथों का अध्ययन ही इन विकारों से मुक्ति का सशक्त माध्यम है। भक्ति के मार्ग पर चलकर ही मनुष्य अपने अंतर्मन को शुद्ध कर सकता है।

प्रह्लाद-नृसिंह प्रसंग से मिला आस्था का संदेश

कथा के दौरान भगवान नृसिंह और भक्त प्रह्लाद की कथा का मार्मिक वर्णन किया गया। व्यास जी ने बताया कि किस प्रकार प्रभु की भक्ति क्रोध और अहंकार का नाश कर देती है। हिरण्यकश्यप के अत्याचारों के बावजूद प्रह्लाद का अडिग विश्वास यह सिखाता है कि ईश्वर पर अटूट आस्था रखने वाला भक्त कभी पराजित नहीं होता।

ब्रह्मा का मोह भंग और कृष्ण की माया

भागवत कथा में ब्रह्मा जी द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की परीक्षा लेने का प्रसंग भी सुनाया गया। व्यास जी ने बताया कि जब ब्रह्मा जी ने ग्वाल-बालों और बछड़ों को चुरा लिया, तब भगवान ने स्वयं उनके रूप धारण कर अपनी लीला से ब्रह्मा जी का अहंकार समाप्त कर दिया। अंततः ब्रह्मा जी ने प्रभु की शरण में आकर अपनी भूल स्वीकार की। इस प्रसंग ने श्रद्धालुओं को यह बोध कराया कि ईश्वर की माया से कोई भी अछूता नहीं है।

गोवर्धन लीला, भक्तवत्सल भगवान का सजीव दर्शन

कथा का प्रमुख आकर्षण गोवर्धन लीला का सजीव वर्णन रहा। व्यास जी ने बताया कि मात्र सात वर्ष की आयु में भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अहंकार को चूर करने और ब्रजवासियों की रक्षा के लिए सात दिन और सात रात तक गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा उंगली पर उठाए रखा। इस लीला के माध्यम से भगवान के ऐश्वर्य, करुणा और भक्तवत्सल स्वरूप का दर्शन हुआ।

भक्ति का सार, नाम स्मरण और कर्तव्य पालन

कथा के समापन पर व्यास जी ने कहा कि संसार का सुख-दुख क्षणभंगुर है, लेकिन प्रभु का नाम शाश्वत है। यदि मनुष्य अपने सांसारिक कर्तव्यों को भगवान का कार्य समझकर करे और हर क्षण ईश्वर का स्मरण करे, तो वही सच्ची भक्ति है। संध्या भजन कार्यक्रम में राम वचन व्यास, प्रवीण कुमार, सीताराम चतुर्वेदी, आर्यन बाबू, डॉ. रवि कुमार सहित अन्य कलाकारों ने भक्तिमय प्रस्तुतियों से वातावरण को और भी आध्यात्मिक बना दिया।

बुनियादी सुविधाओं से महरूम है रघुनाथपुर की अनुसूचित जाति बस्ती

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर प्रखंड के रघुनाथपुर पंचायत में विकास की हकीकत चौंकाने वाली है। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर चार के ठीक समीप स्थित 150 से अधिक घरों की एक पूरी बस्ती पिछले पंद्रह वर्षों से बुनियादी सुविधाओं के इंतजार में है। न पक्की सड़क, न नाली की व्यवस्था और न ही समुचित बिजली, इस बस्ती की पहचान अब सरकारी उपेक्षा बन चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पंद्रह साल पहले बसने के बावजूद आज तक यहां एक अदद नाली तक नहीं बन पाई। जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण घरों का गंदा पानी गलियों और कच्ची सड़कों पर बहता रहता है। मजबूरी में लोगों ने कॉलोनी के भीतर जगह-जगह गड्ढे खोदकर पानी गिराने की अस्थायी व्यवस्था कर रखी है। बरसात के मौसम में हालात और भयावह हो जाते हैंकृकीचड़, जलजमाव और दुर्गंध के बीच लोगों का घर से निकलना दूभर हो जाता है। ऐसे हालात में डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार मंडराता रहता है। बस्ती से मुख्य सड़क को जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता रेलवे प्लेटफॉर्म नंबर चार के बगल से गुजरता है, जो लंबे समय तक जर्जर हालत में रहा। प्रशासन की उदासीनता से तंग आकर ग्रामीणों ने आपस में चंदा इकट्ठा कर इस कच्चे रास्ते को किसी तरह आने-जाने लायक बनाया। यह हालात खुद-ब-खुद सवाल खड़ा करते हैं कि आखिर सरकारी योजनाएं किसके लिए बनती हैं।

समाजसेवी शैलेश ओझा और शंभू चंद्रवंशी ने हाल ही में प्रखंड विकास पदाधिकारी से मुलाकात कर बस्ती को प्राथमिकता के आधार पर विकास योजनाओं में शामिल करने की मांग की है। वहीं स्थानीय निवासी प्रिंस कुमार, अनिल कुमार कमांडो, मु. जलालुद्दीन, मुन्ना चौधरी, मनोज राय, मुन्नी खातून सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से जनप्रतिनिधियों के चक्कर लगाए जा रहे हैं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला है। ग्रामीणों का आक्रोश अब चरम पर है। हरेंद्र यादव, ओमप्रकाश गुप्ता, पंकज, भुवाली ठाकुर और अमरजीत कुमार ने साफ चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर नाली और सड़क निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे जिलाधिकारी से शिकायत करेंगे। इसके बाद भी समाधान नहीं हुआ तो बस्तीवासी आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

डुमरी पंचायत ने रचा इतिहास, बनी बिहार की मॉडल महिला हितैषी पंचायत

- पटना में सम्मान, आत्मनिर्भर महिलाओं से लेकर सुरक्षा-शिक्षा तक दिखा समग्र विकास मॉडल

केटी न्यूज/डुमरांव

ग्रामीण बिहार में महिला सशक्तिकरण की एक नई कहानी बक्सर जिले के सिमरी प्रखंड की डुमरी पंचायत ने लिख दी है। सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बीच डुमरी पंचायत ने वह कर दिखाया, जो आज पूरे राज्य के लिए एक उदाहरण बन गया है। बिहार सरकार द्वारा इसे मॉडल महिला हितैषी पंचायत के रूप में चयनित किया गया है। यह उपलब्धि न सिर्फ पंचायत के लिए, बल्कि पूरे बक्सर जिले के लिए गर्व की बात है।

राजधानी पटना में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में डुमरी पंचायत को यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया। इस मौके पर बिहार के 38 जिलों से चयनित पंचायतों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा रही, जिसमें 43 महिला मुखियाओं ने अपने-अपने पंचायतों के कार्यों को प्रस्तुत किया। डुमरी पंचायत ने महिला सशक्तिकरण के ठोस और जमीनी प्रयासों के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई।

डुमरी पंचायत की सबसे बड़ी ताकत महिलाओं की आर्थिक मजबूती है। पंचायत में सक्रिय 98 जीविका स्वयं सहायता समूहों के जरिए 249 महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा गया है। छोटे-छोटे ऋण, प्रशिक्षण और समूह आधारित कार्यों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। आज ये महिलाएं न केवल अपने परिवार का सहारा बन रही हैं, बल्कि पंचायत के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। महिला सुरक्षा को लेकर पंचायत ने तकनीक का सहारा लिया है। सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, वहीं पंचायत कार्यालय में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। यहां महिलाएं बिना झिझक अपनी समस्याएं दर्ज करा सकती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी डुमरी पंचायत ने नई पहल की है। बच्चियों के लिए ई-लाइब्रेरी की सुविधा शुरू की गई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। यह कदम भविष्य की पीढ़ी को सशक्त बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। डुमरी पंचायत सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी मजबूती से खड़ी है। बाल विवाह रोकने के लिए नियमित जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। हर महीने महिलाओं के साथ बैठक कर उन्हें कानून और इसके दुष्परिणामों की जानकारी दी जाती है। साथ ही पंचायत स्तर पर गठित बाल संरक्षण इकाई बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए सतत कार्य कर रही है।

डुमरी पंचायत का मॉडल महिला हितैषी पंचायत के रूप में चयन यह साबित करता है कि सही सोच, मजबूत नेतृत्व और सामूहिक प्रयास से गांव भी बदलाव की अगुवाई कर सकते हैं। यह पंचायत आज पूरे बिहार के लिए महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरक मिसाल बन चुकी है।

बिहार में आतंक के खिलाफ बड़ी तैयारी : बिहार के पांच जिलों में खुलेंगे एटीएस के नए क्षेत्रीय

एजेंसी/पटना

आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बिहार सरकार ने बड़ा कदम उठाने की तैयारी की है। बिहार पुलिस की विशेष इकाई आतंकवाद निरोध दस्ता (अळर) के 5 नए क्षेत्रीय कार्यालय खोले जाएंगे। ये कार्यालय पटना, गया, मोतिहारी, दरभंगा और पूर्णिया में स्थापित किए जाएंगे। इस बात की जानकारी पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एडीजी (विधि-व्यवस्था) पंकज कुमार दराद ने दी। उन्होंने बताया कि पटना स्थित अळर मुख्यालय के अलावे 4 नए क्षेत्रीय कार्यालयों के गठन का प्रस्ताव तैयार कर गृह विभाग को भेजा गया है। इसकी स्वीकृति मिलने के बाद कमांड ऑफिस के गठन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एडीजी दराद ने बताया

कि इन क्षेत्रीय कार्यालयों के अंतर्गत आसपास के जिलों को जोड़ा जाएगा, जिससे अळर की कार्यक्षमता और निगरानी क्षमता में वृद्धि होगी। इन कार्यालयों की जिम्मेदारी आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों के साथ-साथ धार्मिक उन्माद, राष्ट्रविरोधी और संगठित आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने की होगी। ये इकाइयां स्पेशल ब्रांच के समानांतर कार्य करेंगी और प्रत्येक कार्यालय की कमान डीएसपी रैंक के अधिकारी के पास होगी। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती इलाकों में आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों पर अळर लगातार निगरानी रखता है। इसके अलावा, राष्ट्रविरोधी मामलों में जेल से रिहा हुए व्यक्तियों पर भी नजर रखी जाती है और उनसे संबंधित सूचनाएं एकत्र की जाती हैं। सोशल मीडिया निगरानी के तहत अब तक 176 लोगों को चरमपंथी विचारधारा से जुड़ा पाया गया है, जिनमें से 12 लोगों को काउंसलिंग के जरिए मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया गया है। एडीजी ने यह भी बताया कि राज्य के सभी थानों में एक अधिकारी और एक सिपाही को विशेष रूप से आसूचना संकलन की जिम्मेदारी दी गई है। ये अधिकारी मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध शराब कारोबार, आतंकवाद और अन्य गंभीर अपराधों से जुड़ी सूचनाएं जिला और मुख्यालय स्तर तक पहुंचाएंगे। यह कार्य जिला स्तर पर मौजूद उअळ टीमों के साथ समन्वय में किया जाएगा। इसके अलावा, अळर के अंतर्गत गठित विशेष स्वाट (स्पेशल वेपन एंड टैक्टिक्स) टीम राज्य के 257 संवेदनशील संस्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही है। बीते वर्ष 194 और इस वर्ष अब तक 41 स्थानों पर मॉक ड्रिल और रेकी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि अब तक अळर के 176 कमांडो को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, जो मानेसर और कोलकाता स्थित प्रशिक्षण केंद्रों में संपन्न हुआ है।

अस्मिता खेलो इंडिया बालिका चैंपियनशिप में रोहतास की बेटियों का लहरा परचम

केटी न्यूज/रोहतास

दक्षिण बिहार स्तरीय अस्मिता खेलो इंडिया बालिका भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025-26 खेल प्रतियोगिता का आयोजन शाहाबाद प्रक्षेत्र के भोजपुर जिला के आरा मुख्यालय स्थित खेल भवन में आयोजित हुई। जिस प्रतियोगिता में पटना, रोहतास, कैमूर, बक्सर और भोजपुर जिले की लगभग 100 बालिका खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप में रोहतास जिले की उभरती हुई भारोत्तोलन खिलाड़ी शालू सिंह राजपूत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। शालू सिंह राजपूत ने सीनियर 65 किलोग्राम बालिका वर्ग में कुल 80 किलोग्राम भार उठाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं जूनियर वर्ग में भी उन्होंने 70 किलोग्राम भार उठाकर तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अलावा रोहतास की ही खिलाड़ी रिया कुमारी ने 67 किलोग्राम वर्ग में कुल 40 किलोग्राम भार उठाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं

अंजली कुमारी मिश्रा ने 44 किलोग्राम वर्ग में कुल 30 किलोग्राम भार उठाकर तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता के उपरांत रोहतास भारोत्तोलन संघ के सचिव सुधाकर कुमार (रितेश मिश्रा) ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से शालू सिंह राजपूत और रिया कुमारी का चयन आगे की प्रतियोगिताओं के लिए हुआ है, जहां वे अब राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। कार्यक्रम के दौरान भोजपुर के सांसद भी खिलाड़ियों से मिले और विजेता बालिकाओं को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस सफलता से न केवल रोहतास जिला,बल्कि पूरे क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को नई प्रेरणा मिली है।

विधिराज मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वधान में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड क्षेत्र के जगनारायण प्लस टू हाई स्कूल के खेल मैदान में सोमवार को विधिराज मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से आयोजित वर्ष 2025 फुटबॉल टूनामेंट का आयोजन किया गया। टूनामेंट का आयोजन स्व.विधिचंद चौधरी की पुण्यतिथि के अवसर पर संचालित हुई। जिसमें खेल प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी।टूनामेंट के प्रथम सेमीफाइनल मैच में पंजाब इलेवन और मणिपुर इलेवन के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। मैच का उद्घाटन बिक्रमगंज के एसडीएम प्रभात कुमार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उनके साथ कई प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उद्घाटन के पश्चात एसडीएम प्रभात कुमार ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से बारी-बारी से परिचय प्राप्त किया और किक मारकर मैच की शुरूआत कराई।मैच में पंजाब इलेवन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे, जबकि

मणिपुर इलेवन की टीम एक गोल ही कर सकी। इस प्रकार पंजाब इलेवन ने 2झ1 से मुकाबला जीतकर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया।मैच में रेफरी की भूमिका शशि शेखर ने निभाई, जबकि कमेंट्री का दायित्व हसिम आजाद ने संभाला। आयोजन के दौरान खेल मैदान में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। मौके पर दावथ बीडीओ विकास कुमार, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी आनंद किशोर सिंह, थानाध्यक्ष मनीष कुमार पंजियारा, सुदामा पांडेय, उदय चौधरी, विजय चौधरी, संजय चौधरी, अभय चौधरी, अतुल कुमार, सकुन, अशोक चौधरी सहित बड़ी संख्या में दर्शक एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे।आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना और स्वर्गीय विधिचंद चौधरी की स्मृति को यादगार रखना है।

एक नजर

हत्या के मंशा से हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

काराकाट। रोहतास जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के गोडारी बुढ़वा महादेव के पास जमकर मारपीट की घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि इस मारपीट में गंभीर चोटें लगने के कारण गोडारी निवासी स्व. राजू तिवारी के पुत्र मनीष कुमार तिवारी ने हत्या के प्रयास का आवेदन दिया। इसके आधार पर कांड संख्या 556/25 दर्ज करवि र मुख्य आरोपी, स्व. राम मूर्ति तिवारी के पुत्र प्रेमशंकर तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। घटना के संदर्भ में थानाध्यक्ष ने कहा कि बुढ़वा महादेव स्थल पर दोनों पक्षों के बीच जमकर झड़प हुई, जिसमें हत्या के प्रयास जैसी साजिश रची गई। मनीष कुमार तिवारी के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी प्रेमशंकर को हिरासत में ले लिया। जांच पूरी होने पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जबकि दूसरे पक्ष से भी काउंटर एफआईआर दर्ज हुई है। इस घटना मामले में प्रेमशंकर तिवारी की मां राम कुमारी कुंअर ने स्थानीय काराकाट थाने में शिकायत दर्ज कराया है। जिसमें गोडारी निवासी स्वर्गीय राजू तिवारी के पुत्र मनीष कुमार तिवारी उर्फ बिगु और पवन तिवारी उर्फ ललटू तिवारी को आरोपी बनाया गया। राम कुमारी ने आरोप लगाया कि इन दोनों ने उनके बेटे पर मारपीट की। इस पर भी मारपीट की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने स्पष्ट किया कि प्रेमशंकर तिवारी की गिरफ्तारी जांच के आधार पर हुई है। दोनों पक्षों के अन्य मामलों की जांच जारी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लाभुक पचार्धारकों ने भूमि पर कब्जा दिलाने के लिए सीओ से लगाई गुहार

राजपुर। थाना क्षेत्र के परसिया गांव में वर्ष 2000 में बन्दोबस्त भूमि के पचार्धारकों ने भूमि पर कब्जा दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को अंचल कार्यालय पहुंच अंचलाधिकारी को आवेदन प्रदान किया। लाभुकों ने बताया कि गृह स्थल के लिए सरकार से बन्दोबस्त दो डिसमिल भूमि बहुत दिन पहले मिल हुआ है, लेकिन भूमि पर कब्जा दुसरे लोग किये बैठे हैं करीब 6 वर्ष हो गये हैं। जहां अंचल कार्यालय दौडते दौडते हम सभी थक चुके हैं। समझ में नहीं आ रहा है कि आखिर हम सभी गरीब पचार्धारक क्या करें ? सरकार ने गृह स्थल योजना अंतर्गत हरिजन एवं कमजोर वर्गों के लिए आनाबाद बिहार सरकार भूमि का वितरण किया है। जिसका रसीद भी कट रहा है। उन्होंने कहा कि बन्दोबस्त भूमि खाता संख्या 70 व खेसरा 190104 अन्तर्गत लाभुक नरेश पासवान, बिजेंद्र पासवान, शंभू पासवान व अन्य हैं.आवेदकों ने अंचलाधिकारी से बन्दोबस्त भूमि पर कब्जा दिलाने की गुहार लगाई है। मामले में अंचलाधिकारी पिंटू कुमार चौधरी ने बताया कि बंदोबस्त भूमि पर दखल कब्जा के लिए पचार्धारकों ने आवेदन उपलब्ध कराया है। जो जल्द हीं स्थल निरीक्षण करके भूमि का पैमाईस करते हुए बन्दोबस्त भूमि पर दखल कब्जा दिलाया जायेगा।

विवाहोत्सव को लेकर संत समूह हुए सम्मानित

राजपुर। गोदा रंगमन्नार विवाहोत्सव को लेकर सोमवार को क्षेत्र के अमरपुर गांव स्थित भगवान जगन्नाथ जी मठ पहुंच समाजसेवियों द्वारा साधु-संतों को किया गया सम्मानित। मौके पर मौजूद सेवानिवृत्त शिक्षक श्यामजी तिवारी,संतोष सोनी,बडन दुबे ने बताया कि धनुर्मास की शुरूआत 15 दिसंबर से हुआ है। अवसर पर जगन्नाथ मठ पर भगवान रंगनाथ एवं गोदाजी का विवाहोत्सव मनाया जा रहा है। जिसका समापन 14 जनवरी को विवाह कार्य के उपरांत होगा। प्रतिदिन सुबह में पोंगल प्रसाद लोगों के बीच वितरण हो रहा है.घनघोर ठंढ पडना शुरू हो गया है। ऐसे में साधु-संतों को गर्म वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि गोदा देवी माता लक्ष्मी का अवतार मानी जाती हैं एवं रंगनाथ जी भगवान विष्णु के स्वरूप हैं। दोनों के विवाहोत्सव को धनुर्मास के रूप में मनाने की परंपरा है। मौके पर संत त्रिदंडी रंगनाथाचार्य,साधु विजय सिंह,संत बिलास बंगाली, बीरेन्द्र, मदनमोहन तिवारी, शनि वर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

विधायक ने नोखा प्रखंड स्तरीय विभागीय योजनाओं पर की समीक्षा बैठक

नोखा। सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के एक सभागार में नोखा विधानसभा क्षेत्र विधायक नागेंद्र चंद्रवंशी की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं पर समीक्षा बैठक की गई। बैठक का नेतृत्व विधायक नागेंद्र चंद्रवंशी,बीडीओ शैफाली,सीओ मधुसूदन चौरसिया 20 सूत्री के अध्यक्ष रूपेश चंद्रवंशी ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर विधायक नागेन्द्र चंद्रवंशी ने अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए प्रखंड में चल रही विकास योजनाओं की जानकारी ली। उनके विधायक बनने के बाद पहली बार कार्यालय पहुंचने पर बीडीओ शैफाली व सीओ मधुसूदन चौरसिया ने उन्हें अंगवस्त्र भेट कर सम्मानित किया। विधायक ने सभी सरकारी योजनाओं को जनहित विकास का हवाला देते हुए प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि यदि विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत किसी जनता को जनहित विकास को लेकर कोई परेशानी हो तो हमें आप तुरंत कॉल कर अपनी शिकायत बताएं।

छात्रों के सम्मान को लेकर सीनियर सिटीजन ने बैठक कर लिया अहम निर्णय

कोचस । नगर पंचायत के डाकबांग्ला परिसर स्थित सोमवार को बिहार पेंशनर समाज कार्यालय में बिहार पेंशनर समाज एवं कार्यरत शिक्षकों की संयुक्त बैठक आहुति की गई। बैठक की अध्यक्षता रामेश्वर सिंह एवं संचालन हीरालाल राम ने किया। बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि इस क्षेत्र के इंटरमीडिएट एवं मैट्रिक बोर्ड परीक्षा में टॉपर छात्र छात्राओं को पुरस्कृत करने का निर्णय लिया गया। साथ हीं पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या बढ़ाने एवं इस क्षेत्र के युवाओं को शिक्षण से सम्बंधित अन्य सुविधा प्रदान करने को लेकर जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन से भी बात करने पर सहमति बनी।

श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ जलभरी यात्रा के साथ प्रारंभ, भक्तों की उमड़ी भीड़

केटी न्यूज/रोहतास

सोमवार को सूर्यपुरा प्रखंड क्षेत्र के अगरेड़ गांव में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की जलयात्रा का अलौकिक दृश्य बहुत ही अद्भुत दिखाई पड़ रहा था। भारत के महान मनीषी संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के तत्वाधान में सोमवार से श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की जल यात्रा के साथ शुरूआत हुआ। सुबह के लगभग 10 बजे से प्रवचन पंडाल में सभी यजमान सहित भक्त श्रद्धालु दिव्य अलौकिक पीले वस्त्र पहनकर के हाथ में कलश लिए पहुंचे हुए थे। जल यात्रा की शुरूआत वैदिक मंत्रोंच्चार के साथ शुरू हुआ। भारत के अलग-अलग क्षेत्र से आए दिव्य महापुरुष, विद्वान, संत, महात्मा की उपस्थिति में जलयात्रा के साथ श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ प्रारंभ हुआ। इस भव्य जलयात्रा में रथ, ऊंट,

हाथी, घोड़ा सैकड़ों की संख्या में आगे आगे कतार वध होकर के चल रहे थे। अगरेड़ गांव से जल यात्रा मां यक्षिणी भवानी भलुनी धाम के लिए निकाली गई। जिसमें हजारों हजार की संख्या में महिलाएं, पुरुष, बच्चे, बच्चियों सहित बुजुर्ग लोगों ने भी बढ़-चढ़ कर कलश यात्रा में हिस्सा लिए। सभी लोग कतार में होकर भगवान श्रीमन नारायण के नाम का जयकारा लगाते हुए आगे की तरफ बढ़ रहे थे। जल यात्रा में बहुत से श्रद्धालु भक्त अपने-अपने वाहनों से भी कतार में होकर के चल रहे थे। जिसमें सैकड़ो की संख्या में दो पहिया एवं चार पहिया वाहन से भी बहुत से श्रद्धालु भक्त शामिल हुए। मां भलुनी भवानी से लेकर अगरेड़ गांव तक भक्त श्रद्धालुओं की लंबी कतार दिखाई पड़ रही थी,मानो पूरा क्षेत्र यज्ञमय हो गया है। अवसर पर भारत के महान मनीषी संत श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि यज्ञ से प्रकृति, समाज, संस्कृति, संस्कार, सभ्यता, मानव का कल्याण होता है। यज्ञ हमारे जीवन के साथ-साथ संपूर्ण विश्व के लिए मंगलकारी है। जिससे पूरे ब्रह्मांड में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मौके पर आयोजन समति के गुप्त नाथ पाण्डेय,नंदकुमार दुबे,जनार्दन पाण्डेय,रविंद्र चौबे,विमल पाण्डेय,अक्षय पाण्डेय,नंदजी पांडेय,भुनेश्वर पाण्डेय , कमलेश पांडेय,मुन्ना पाण्डेय ,अखिलेश दुबे, पिंटू पांडेय ,लक्ष्मी कान्त पाण्डेय,राजभूषण पाण्डेय,अभय पाण्डेय, उपेंद्र पांडेय, नोखा जिला परिषद मेलू मिश्रा,प्रियरंजन दुबे उर्फ बड़क बाबा,संदीप पाण्डेय, पप्पु पाण्डेय,नीतीश सहित सैकड़ों लोग जलभरी यात्रा में शामिल हुए।

समोसे विवाद के मारपीट में हुई फायरिंग के दौरान लोग जख्मी, 16 लोग गिरफ्तार

केटी न्यूज/रोहतास

थाना क्षेत्र के अमैसीडीहरा गांव मे समोसे उधार ना देने पर रविवार की देर रात दो पक्षो मे जमकर मारपीट हुई जिसमें मारपीट मामले में दोनों पक्ष के आधा दर्जन घायल हो गए। घटना के बारे में बताया जाता है कि रविवार की देर शाम अमैसीडीहरा गांव मे एक ग्राहक ने समोसे के दुकान से समोसे उधार मांगा जहां दुकानदार ने उधार देने से इनकार कर दिया तभी समोसा खरीदने गए ग्राहक ने दुकानदार से तू में मैं शुरू कर दिया, तू तू मै मै के साथ बात बढ़ती गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया, इतना ही नहीं बल्कि एक पक्ष के लोगों के द्वारा एक दर्जन चक्र गोलियां भी चलाई गई, जिसमें आधा दर्जन घायल होने की सूचना प्राप्त हो रही है। घटना के बाद

इसकी सूचना थाने को दी गई जहां पुलिस पहुंचते ही स्थिति नियंत्रण हुआऔर भगदड़ मच गई। वही दोनों पक्ष के लोग थाने पर पहुंच एक दूसरे के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई जहां पुलिस ने आवेदन ले मामले की छान बिन कर कानूनी कार्रवाई करते हुए दोनो पक्ष के 16 लोगो को गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि करते थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि समोसे को लेकर उपजे विवाद में मारपीट के साथ गोली चली जिसमें आधा दर्जन लोग घायल हुए। इस घटना में कुल 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी मे एक पक्ष के सुमन कुमार, रितेश कुमार, राम अवध चौधरी, दिनेश चौधरी, पिंटू चौहान, राजेश चौहान हरेंद्र सिंह और अमर चौधरी शामिल है।

बिहार में सड़क सुरक्षा एवं जाम से निजात के लिए ठोस पहल, परिवहन सचिव ने की अहम बैठक

एजेंसी। पटना

बिहार के परिवहन सचिव राज कुमार ने सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं की समीक्षा की। सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने एवं शहरी क्षेत्रों में जाम की समस्या से प्रभावी रूप से निजात दिलाने के उद्देश्य से सभी जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रवर्तन का विषय नहीं, बल्कि प्रशिक्षित चालक और व्यापक जागरूकता से ही इसमें अपेक्षित

सुधार संभव है। सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित परिवहन हेतु परिवहन सचिव ने निर्देश दिया कि प्रत्येक जिला अपने-अपने क्षेत्र में जहां फुट ओवरब्रिज, जेबरा क्रॉसिंग एवं ट्रैफिक सिग्नल की आवश्यकता है अथवा जहां इन्हें लगाया जा सकता है, उसकी सूची तैयार कर विभाग को उपलब्ध कराएं, ताकि इन स्थानों पर आवश्यक कार्रवाई एवं योजना निर्माण किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर वहां प्राथमिकता के आधार पर सड़क सुरक्षा उपाय लागू किए जाएं। इसके साथ ही परिवहन सचिव ने सभी जिलों को यह भी निर्देश दिया कि सरकारी एवं कांट्रैक्ट पर कार्यरत सभी सरकारी वाहन चालकों की अद्यतन सूची शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने बताया कि इन सभी वाहन चालकों को आईडीटीआर में सड़क सुरक्षा से संबंधित विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे सरकारी वाहनों का संचालन अधिक सुरक्षित, अनुशासित एवं नियमसम्मत हो सके। परिवहन सचिव राज कुमार ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। इस दिशा में उन्होंने सभी जिलों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराने तथा इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों, वाहन चालकों, छात्रों एवं युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना विभाग की प्राथमिकता है। परिवहन सचिव ने अपेक्षा जताई कि सभी जिले इन निदेर्शों का गंभीरता से अनुपालन करेंगे और समयबद्ध रूप से सूचनाएं उपलब्ध कराएंगे, ताकि सड़क सुरक्षा को लेकर राज्य स्तर पर ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सड़कें, प्रशिक्षित चालक और जागरूक नागरिक ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की कुंजी हैं। इस मौके पर राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन, अपर सचिव परिवहन विभाग प्रवीण कुमार एवं कृत्यानंद रंजन आदि समेत कई विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन पटना पहुंचे, पिता की पुण्यतिथि में होंगे शामिल

पटना। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन सोमवार की देर शाम तीन दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पर बीजेपी नेताओं और कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। बताया जाता है कि पिता की पुण्यतिथि में शामिल होने के लिए नितिन नबीन पटना आए हैं। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष बनाने जाने के बाद नितिन नबीन का यह दूसरा बिहार दौरा है। इससे पहले 23 दिसंबर को वो पटना आए थे। तब पटना में भव्य रोड शो निकाला गया था। बिहार बीजेपी के नेताओं और कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया था। कार्यकारी अध्यक्ष बीजेपी का बनने के बाद वो दूसरी बार पटना पहुंचे हैं। 7 दिन के नितिन नबीन का यह दूसरा बिहार दौरा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बहुत जल्द भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष वो हो सकते हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 15 जनवरी के बाद देशभर के प्रदेश अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया जा सकता है। चुनाव की प्रक्रिया 18 से 20 जनवरी के बीच पूरी होने की संभावना है। नितिन नबीन के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति की घोषणा 20 जनवरी तक की जा सकती है। 45 साल की उम्र में नितिन नबीन इस बड़े पद पर पहुंचने वाले सबसे युवा नेता होंगे। उनका कार्यकाल जनवरी, 2026 से जनवरी 2029 तक रहेगा।

ग्राहक बनकर आए शातिर चोरों ने दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप से उड़ाए लाखों के जेवर

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र में इन दिनों अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। ताजा मामला अहियापुर इलाके का है, जहाँ दिनदहाड़े दो शातिर बदमाशों ने एक ज्वेलरी दुकान को अपना निशाना बनाया। ग्राहक बनकर आए इन बदमाशों ने बड़ी ही चालाकी से लाखों रुपये मूल्य के सोने के जेवरों पर हाथ साफ कर दिया और मौके से चंपत हो गए। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित ज्वेलरी शॉप दुकानदार राजा कुमार ने बताया कि दोपहर के समय दो युवक ग्राहक बनकर उनकी दुकान पर आए। उन्होंने दुकानदार से कहा कि उनके घर में शादी है और उन्हें सोने-चांदी के भारी गहने खरीदने हैं। दुकानदार उनकी बातों में आ गया और उन्हें तरह-तरह के डिजाइन दिखाने लगा। शातिरों ने काफी देर तक गहने देखे और कुछ जेवर पसंद कर उन्हें अलग रखवा दिया। इसके बाद, बदमाशों ने दुकानदार से उन जेवरों का कुल बिल (हिसाब-किताब) बनाने को कहा। जब दुकानदार हिसाब करने में व्यस्त हुआ, तभी मौका पाकर एक बदमाश ने सोने के गहनों से भरा एक डिब्बा चुपके से उठाकर अपनी जैकेट की जेब में रख लिया। चोरी करने के बाद दोनों युवकों ने बड़ी ही सहजता से कहा कि वे अभी एटीएम से रुपये लेकर आते हैं और फिर गहने ले जाएंगे। काफी देर इंतजार करने के बाद जब दोनों युवक वापस नहीं लौटे, तो दुकानदार को शक हुआ। जब उन्होंने सामान का मिलान किया, तो सोने के जेवरों वाला एक डिब्बा गायब मिला। आनन-फानन में जब सीसीटीवी फुटेज खंगाला गया, तो दोनों बदमाशों की करतूत सामने आ गई। फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि किस तरह शातिर ने दुकानदार की नजर बचाकर जेवर गायब किए।

मंत्री सुनील कुमार ने की बड़ी घोषणा

खरमास बाद TRE-4 की वैकेंसी के लिए अधियाचना भेजेगा शिक्षा विभाग

एजेंसी। पटना

बिहार में शिक्षक अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने घोषणा की है कि TRE-4 के तहत शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया बहुत जल्द शुरू की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षक नियुक्ति को लेकर पूरी तरह गंभीर है और प्रक्रिया में किसी तरह की देरी नहीं की जाएगी। मंत्री ने कहा कि चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए विद्यालय अध्यापकों की नियुक्ति के लिए 31 जिलों से आरक्षण रोस्टर पंजी जिलों में समाशोधन होने के बाद प्राप्त हो चुके हैं। इनकी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि जनवरी माह के 15 से 20 तारीख तक विज्ञापन प्रकाशन के लिए बीपीएससी को अधियाचना भेज दी जाएगी। इसके अलावा नवसृजित सहायक शिक्षा

विकास पदाधिकारी के 935 पद पर नियुक्ति के लिए बीपीएससी को अधियाचना भेजी गई। जनवरी माह में इसकी परीक्षा भी ली जाएगी। वहीं विशेष विद्यालय अध्यापक के 7279 पद पर नियुक्ति के लिए बीपीएससी को अधियाचना भेज दी गई है। राज्य के प्रारंभिक से लेकर उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के मृत आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति हेतु बिहार राज्य विद्यालय लिपिक (नियुक्ति, सेवाशर्त एवं अनुशासनिक कार्रवाई) संवर्ग नियमावली 2025 एवं बिहार राज्य विद्यालय परिचारी (नियुक्ति, सेवाशर्त एवं अनुशासनिक कार्रवाई) संवर्ग नियमावली 2025 अधिसूचित की गयी है। उक्त नियमावली के अधिसूचित होने के पश्चात अभी तक कुल 5073 विद्यालय लिपिक एवं 541 विद्यालय परिचारी यानी कुल 5614 आश्रितों की अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति की गयी है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सरकारी विद्यालयों में बिहार लोक सेवा आयोग पटना के माध्यम तीन चरणों में कुल 2,27,195 शिक्षकों की नियुक्ति कर योगदान करा दिया गया है। मंत्री ने कहा कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित अभी तक चार चरणों में स्थानीय निकाय शिक्षक सक्षमता परीक्षा आयोजित की गई है, जिसमें कुल 319747 शिक्षक अभ्यर्थी सम्मिलित हुए तथा कुल 266786 शिक्षक अभ्यर्थी सफल घोषित हुए हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा बिहार राज्य के विभिन्न अंगीभूत महाविद्यालयों के लिए कुल 2849 सहायक प्राध्यापकों की अनुशंसा भेजी गई है। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (BSUSC) द्वारा कुल 2983 पदों के लिए अनुशंसा भेजी गई है। इस प्रकार राज्य के विभिन्न अंगीभूत महाविद्यालयों के लिए कुल 5832 सहायक प्राध्यापकों के पदो के लिए अनुशंसा भेजी जा चुकी है। राज्य के सरकारी अंगीभूत महाविद्यालय में 116 प्राचार्यों की नियुक्ति की गई।

5500 पदों पर जल्द होगी लाइब्रेरियन बहाली की तैयारी

एजेंसी। पटना

बिहार में नए साल में नौकरी का सपना देख रहे लाखों अभ्यर्थियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने स्पष्ट किया है कि स्कूलों में टीआरई-4 (शिक्षक भर्ती परीक्षा-4) के तहत होने वाली शिक्षक बहाली की रिक्तियां 15 जनवरी तक बिहार लोक सेवा आयोग (इढरउ) को भेज दी जाएंगी। इसके साथ ही उन्होंने पुस्तकालयाध्यक्ष, दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षकों और विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर भी अहम जानकारी दी है। सोमवार को पटना स्थित सूचना भवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए गंभीर है और रिक्त पदों को भरने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्कूलों में लंबे समय से खाली पड़े शिक्षक पदों को भरने के लिए विभाग

ने तैयारियां पूरी कर ली हैं और अब केवल औपचारिक प्रक्रिया शेष है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि टीआरई-4 के तहत शिक्षक बहाली के लिए सभी जिलों से रिक्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है और 15 जनवरी तक रिक्तियों की सूची बीपीएससी को भेज दी जाएगी। इसके बाद आयोग द्वारा आगे की परीक्षा और चयन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मंत्री के इस बयान से उन अभ्यर्थियों में उत्साह है, जो लंबे समय से नई शिक्षक भर्ती का इंतजार कर रहे थे। प्रेस कांफ्रेंस में शिक्षा मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि राज्य के स्कूलों में पुस्तकालयाध्यक्षों की बड़ी संख्या में बहाली हो सकती है। उन्होंने बताया कि लगभग 5.5 हजार पदों पर पुस्तकालयाध्यक्षों की नियुक्ति की संभावना है। इससे न केवल पुस्तकालय व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि पुस्तकालय विज्ञान से जुड़े युवाओं को भी रोजगार का अवसर मिलेगा।

सावधान! आधार कार्ड की फोटोकॉपी देना पड़ सकता है भारी, UIDAI ने जारी किए नए स्मार्ट सुरक्षा

एजेंसी। पटना

आधार कार्ड आज देश के हर नागरिक की पहचान का सबसे अहम दस्तावेज बन चुका है। बैंकिंग सेवाओं से लेकर सिम कार्ड लेने, होटल में ठहरने, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और डिजिटल ट्रांजैक्शन तक, हर जगह आधार वेरिफिकेशन जरूरी हो गया है। लेकिन इसके साथ ही बार-बार आधार कार्ड की फोटोकॉपी देना और पूरी जानकारी साझा करना डेटा चोरी और धोखाधड़ी का बड़ा कारण भी बन रहा था। इन्हीं बढ़ती चिंताओं को देखते हुए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने mAadhaar ऐप में कई नए स्मार्ट फीचर जोड़े हैं। इन अपडेट्स के बाद यूजर को अपने आधार डेटा पर पहले से कहीं ज्यादा नियंत्रण मिल गया है। अब किसी भी सत्यापन के दौरान पूरा आधार कार्ड साझा करने की जरूरत नहीं होगी, जिससे फजीवाड़े और डेटा के दुरुपयोग का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा। वक्ळअकद्वारा किए गए इस अपडेट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि अब यूजर जरूरत के अनुसार सीमित जानकारी ही साझा कर सकेंगे। यानी किसी होटल, बैंक या अन्य संस्थान में वेरिफिकेशन के दौरान पूरा आधार नंबर, पता या अन्य संवेदनशील जानकारी देने की मजबूरी नहीं होगी। इससे आधार से जुड़ी पहचान चोरी और फ्रॉड की आशंका कम होगी। डिजिटल सेवाओं के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल के कारण आधार डेटा की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन गई थी। UIDAI का यह कदम न केवल यूजर की निजता को मजबूत करता है, बल्कि डिजिटल सिस्टम पर लोगों का भरोसा भी बढ़ाता है। mAadhaar ऐप में जोड़ा गया सुरक्षित दफकोड फीचर इस अपडेट का सबसे अहम हिस्सा है।

पटना में ऑटो पकड़ने के लिए अब भटकने की जरूरत नहीं, सरकार ने कर दी हाइटेक व्यवस्था

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की डबल इंजन की सरकार में राजधानी के सभी ऑटो स्टैंड को हाइटेक बनाने का काम अब तेजी से किया जा रहा है। जिसमें पटना के लगभग सभी ऑटो स्टैंडों पर रुट बोर्ड, प्रीपेड ऑटो बूथ समेत अन्य कई सुविधा बहाल किया जा रहा है। इसी कड़ी में पटना जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा के लिए सामान्य प्रशासन ने एक और बड़ी सुविधा बहाल कर दी है। जिससे अब स्टेशन पर आये यात्रियों को राजधानी के किसी भी इलाके में जाने के लिए ऑटो चालक या अन्य लोगों से पुछने की जरूरत नहीं होगी। पटना जंक्शन के समीप प्रमुख टाटा पार्क ऑटो स्टैंड पर यात्रियों के जानकारी के लिए रूट निर्धारित बोर्ड लगाया गया है ताकि पैसेंजरों को उचित जगह से ऑटो पकड़ने के लिए कोई समस्या नहीं

झेलनी पड़े। साथ ही रुट की अधिक जानकारी के लिए माइकिंग की सुविधा भी बहाल कर दी गयी है। जो टाटा पार्क ऑटो स्टैंड में 24 घंटे किस गेट से किस इलाके के लिए ऑटो चलेगी इसकी सूचना भी यात्रियों तक पहुंचती रहेगी। वहीं यात्रियों की सुविधा के लिए टाटा पार्क में पूर्ण प्रीपेड ऑटो बूथ का संचालन शुरू कर दिया गया है। जिससे रात में भी यात्रियों को रिजर्व ऑटो सेवा की सुविधा प्रदान की जा सकें। इस सुविधा को बहाल करने के लिए एक अलग प्रणाली भी तैयार की गयी है। मिली जानकारी के अनुसार हाल ही में एयरपोर्ट पर भी प्रीपेड ऑटो बूथ का संचालन शुरू किया गया है। जल्द ही फुलवारीशरीफ, राजेंद्र नगर, दानापुर स्टेशन समेत अन्य जगहों पर इस सुविधा को बहाल करने की तैयारी की जा रही है।

श्रेया बनी मिस बिहार 2025 : प्रतिभा, आत्मविश्वास और सामाजिक सोच से जीता ताज

एजेंसी। पटना

बिहार की प्रतिभाशाली बेटियों को मंच देने वाले प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता मिस बिहार 2025 के ग्रैंड फिनाले में श्रेया ने मिस बिहार 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। यह भव्य आयोजन राजधानी पटना के रामनगरी, आशियाना दीघा रोड स्थित बी. आर. क्लब (पारस नाथ गार्डन के बगल) में आइस ब्रेकरओसियन विजन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित किया गया। सौंदर्य के साथ-साथ आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, संवाद क्षमता और सामाजिक सोच के आधार पर श्रेया ने निर्णायक मंडल को प्रभावित करते हुए यह प्रतिष्ठित ताज हासिल किया। प्रतियोगिता में नंदनी फर्स्ट रनर अप और मिताली

सेकेंड रनर अप रहीं। उचार राउंड के फिनाले में पहला राउंड बॉलीवुड, दूसरा राउंड इंट्रोडक्शन, तीसरा राउंड फैशन राउंड और चौथा जजेज राउंड था, जहाँ अलग अलग ड्रेस डिजाइनर के परिधान पहन कर प्रतिभागी कैटवाक की. बीच बीच में संगीत और डांस का भी प्रस्तुति हुई . ग्रैंड फिनाले का शुभारंभ बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर पटना की मेयर सीता साहू, पूर्व विधान पार्षद अरुण गांधी, आइस ब्रेक ओसियन विजन के डायरेक्टर कौशल किशोर तथा प्रबंध निदेशक प्रवीण सिन्हा सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दर्शक और फैशन व इंडस्ट्री से जुड़े लोग भी उपस्थित थे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. अंजना गांधी शामिल रहीं, जबकि मिसेज वर्ल्ड सरगम कौशल और निफ्ट के असिस्टेंट डायरेक्टर शादाब सामी ने विजेता और रनर अप प्रतिभागियों को क्राउन पहनाकर सम्मानित किया। विभिन्न राउंड में प्रतिभागियों की प्रस्तुति, आत्मविश्वास, सामाजिक मुद्दों पर विचार और रैंप वॉक को परखा गया। मिस बिहार 2025 का ताज जीतने के बाद श्रेया ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए सपने के सच होने जैसी है। उन्होंने कहा कि वह इस मंच का उपयोग महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और आत्मनिर्भरता से जुड़े सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए करेंगी और बिहार की बेटियों के लिए प्रेरणा बनना चाहती हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि ऐसे आयोजन बिहार की छुपी प्रतिभाओं को सामने लाने और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं आयोजक प्रवीण सिन्हा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आइस ब्रेकरओसियन विजन प्राइवेट लिमिटेड भविष्य में भी बिहार की बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे मंच उपलब्ध कराता रहेगा। मिस बिहार 2025 का यह आयोजन ग्लैमर के साथ-साथ आत्मविश्वास, उद्देश्य और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देकर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मिस बिहार 2025 के फाइनलिस्ट थी - प्रांजलि, सृस्टि, साक्षी, शालू, मिताली, रिमझिम, नंदनी, सेजल, आलिआ, मेघा, पायल, प्रीति, श्रेया, माहि, पालक और खुशी .आइस ब्रेकरओसियन विजन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ने कहा की मिस बिहार की विनर हमेशा राष्ट्रीय लेवल पर बिहार का नाम रौशन कर रही है और आने वाले समय में भी मिस बिहार बिहार का नाम रौशन करेगी.

पटना से 120 किलो गांजा के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार, नये साल के जश्न की थी तैयारी

एजेंसी। पटना

नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चित्रगुप्तनगर थाना पुलिस ने संगठित गांजा तस्करी रैकेट का पदार्फाश किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने कुल 120 किलोग्राम गांजा बरामद किया है और 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस को 28 दिसंबर 2025 को गुप्त सूचना मिली थी कि राजेंद्र नगर आरओबी के नीचे एक चारपहिया वाहन में मादक पदार्थ की बड़ी खेप खड़ी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल इलाके की घेराबंदी की। पुलिस को देखकर मौके पर मौजूद कुछ युवक भागने लगे, लेकिन त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सभी को पकड़ लिया। मौके पर की गई तलाशी के दौरान ट्रॉली बैग और बोरियों से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। शुरूआती पूछताछ में तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ, जिसके आधार पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर एक और आरोपी को गिरफ्तार किया। वहां से भी गांजा, मोबाइल फोन और वाहन बरामद किए गए। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस ने गांजा के अलावा मोबाइल फोन, वॉकी-टॉकी, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और तीन चारपहिया वाहन जब्त किए हैं, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि तस्करी पूरी तरह संगठित और योजनाबद्ध तरीके से की जा रही थी।